

Title : Presented a statement of estimated receipts and expenditure of the state of Jharkhand for the year 2009-2010.

MADAM SPEAKER: Shri Namu Narain Meena.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI NAMO NARAIN MEENA): On behalf of Shri Pranab Mukherjee, I beg to present a statement of estimated receipts and expenditure of the State of Jharkhand for the year 2009-2010.

(Placed in Library, See No. LT 82/15/09)

**श्री यशवन्त सिन्हा (हजारीबाग)** : अध्यक्ष महोदया, मैंने आपके ध्यान में इस बात को लाया था कि झारखंड बजट, जो अभी सदन में पेश किया गया है, यह पहले ही लीक हो चुका है और पूरी तरह से मीडिया में छप चुका है कि झारखंड के बजट में क्या प्रावधान हैं, कितने की वृद्धि हो रही है, हर आइटम पर कितना खर्च होगा। मैं माननीय वित्त मंत्री और वित्त मंत्रालय का बहुत सम्मान करता हूँ और उनके ऊपर अथवा उनके मंत्रालय के ऊपर मैं कोई दोष नहीं लगा रहा हूँ, क्योंकि जो बजट लीक हुआ वह 'रांची डेट लाइन' से लीक हुआ है। मेरा सीधा आरोप है कि झारखंड सरकार ने इस सदन में झारखंड के बजट को पेश होने से पहले ही, मीडिया को दे दिया था, जिसके चलते उस अखबार के 6 तारीख के संस्करण, जो दिल्ली और रांची से निकले, उनमें विस्तार से झारखंड के बजट की चर्चा की गई। मैं आपके माध्यम से यह कहना चाहता हूँ कि यह दिखाता है कि झारखंड में राष्ट्रपति शासन में, सरकार कैसे चल रही है और किस प्रकार उसने हर मामले में पूरी तरह से नियंत्रण खो दिया है, चाहे वह विधि-व्यवस्था हो या वित्तीय-व्यवस्था।

महोदया, मैं आपके माध्यम से वित्त मंत्री जी से आग्रह करना चाहता हूँ कि वह कृपया सदन में हमें इस बात का आश्वासन दें कि वे इस बात की पूरी जांच कराएंगे कि झारखंड का बजट इस सदन में पेश होने से पहले कैसे लीक हो गया और किसने अखबार में दिया और जो दोषी लोग हों, चाहे वे कितने ही ऊंचे क्यों न हों, उनके ऊपर समुचित कार्रवाई का आश्वासन वित्त मंत्री जी इस सदन में दें, यही मैं आपके माध्यम से आग्रह करता हूँ।

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI PRANAB MUKHERJEE): Madam, I saw the notice now which the hon. Member, who himself was Finance Minister for umpteen number of times, has given and I am taking this matter seriously. Surely I will look into it and I will keep the House informed.

I did not get the copy of the notice. Had I got it earlier, I could have informed. My colleague in the Ministry of Parliamentary Affairs might have got it. But surely I will look into it and I will keep the House informed.

=====